

12/11/24 राधाजी के भेद उड़ी। लकीर आर्षि (340)
पार्थना पर दो एडवॉकेट मल उठील
का निवारण है युक्त है। अतः उक्त
प्रार्थना पर में कोई कार्रवाई किया
गाना उपस्थित नहीं है। कनः प्रार्थना पर
दोसरी किया जाना है। पत्रावली केवल
प्रकार दोसर मन्तर दो कस दोकर साहित्य
द्वारा है।

(सं. 10/11/24)
अतिरिक्त प्रमाण संभव
नीतकप्रमाण

